जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 11 दिसंबर 2019

जामिया के एजेके-एमसीआरसी के फैकल्टी मेंबरों के लिए जर्मन विशेषज्ञ ने मोजो वर्कशाॅप ली

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के अनवर जमाल किदवई मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर (एजेके-एमसीआरसी) में मोबाइल जर्नलिज़म (मोजो) पर पांच दिवसीय वर्कशाॅप का आयोजन हुआ। 2 से 6 दिसंबर 2019 तक हुई इस कार्यशाला में एजेके-एमसीआरसी के फैकल्टी सदस्यों ने हिस्सा लिया।

'मोबाइल रिपोर्टिंगः स्विस आर्मी नाइफ फाॅर जर्नलिस्ट' नामक इस वर्कशाॅप का संचालन सुश्री ग्वेन्डोलिन हिल्से ने किया, जो डीडब्ल्यू की पत्रकार और डीडब्ल्यू अकादमी की प्रशिक्षक भी हैं। वह फैकल्टी के सदस्यों को ख़ास तौर पर प्रशिक्षित करने के लिए बॉन (जर्मनी) से आई थीं। यह कार्यशाला एजेके एमसीआरसी और डीडब्ल्यू के बीच कई महीनों के प्रयासों का नतीजा थी। इसमें डीडब्ल्यू के प्रतिनिधि श्री टोबियास ग्रोटे-बेवरबर्ग ने खास भूमिका निभाई।

पत्रकारिता और फिल्म निर्माण के लिए स्मार्ट-फोन के बढ़ते चलन को देखते हुए इसे आयोजित किया गया था। यह चलन समकालीन मीडिया की पहचान बन गया है।

इसमें हिस्सा लेने वालों ने व्यक्तिगत असाइनमेंट पर काम किया और ऑडियो रिकॉर्डिंग, शूटिंग और संपादन के लिए पेशेवर मोबाइल ऐप का उपयोग सीखा।

वर्कशाॅप के आखिरी दिन, प्रतिभागियों द्वारा बनाई गई फिल्मों की स्क्रीनिंग हुई और उन पर चर्चा की गई।

मोजो वर्कशाॅप में मास कम्युनिकेशन के कन्वर्जेंट जर्नलिज्म, विज़ुअल इफेक्ट्स एंड एनिमेशन, डेवलपमेंट कम्युनिकेशन और ब्रॉडकास्ट टेक्नोलॉजी में पीजी डिप्लोमा के फैकल्टी मेंबरों ने हिस्सा लिया।

कार्यशाला का समन्वय एजेके-एमसीआरसी के फैकल्टी सदस्य, इमरान आलम और मरियम ज़हरा ने किया।
इसका समापन डीडब्ल्यू के प्रतिनिधि ग्वेन्डोलिन हिल्स द्वारा फैकल्टी के प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित करने के साथ हुआ।

फैकल्टी के सदस्यों को लगता है कि उन्होंने इस वर्कशाॅप के ज़रिए नए व्यावसायिक कौशल को हासिल किया है, जिसे एजेके-एमसीआरसी में पढ़ाने वाले पाठ्यक्रमों में शामिल किया जा सकता है।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक